14 सांसद संसद से निलंबित

संदर्भ: संसद में सुरक्षा उल्लंघन के बाद हुए हंगामे के लिए जिम्मेदार लोकसभा के 13 और राज्यसभा के 1 सांसद को निलंबित कर दिया गया।

- लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति सदन की कार्यवाही को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- संसदीय मर्यादा का पालन सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष के पास किसी सदस्य को हटाने का अधिकार होता है।
- यह शक्ति अनुशासन बनाए रखने और विधायी विचार-विमर्श के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।
- **निलंबन के नियम**
  - **लोकसभा की प्रक्रियाएं:**
    - नियम 373: नियम 373 के अनुसार, पीठासीन अधिकारी अव्यवस्थित आचरण के मामले में लोकसभा सदस्य को सदन छोड़ने का निर्देश दे सकते हैं। निलंबित सदस्य को शेष बैठक भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाता है।
    - नियम 374 और 374ए: नियम 374 पीठासीन अधिकारियों को बार-बार चेतावनी के बाद भी सदन को लगातार बाधित करने वाले सदस्यों को नामित करने के लिए अधिकृत करता है। इसके बाद, सदन शेष सत्र के लिए सांसद को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश कर सकता है।
    - नियम 374ए (दिसंबर 2001 में जोड़ा गया) अध्यक्ष को किसी सांसद को पांच दिन या शेष सत्र, जो भी कम हो, के स्वत: निलंबन के लिए नामित करने की अनुमति देता है। सदन इस निलंबन को किसी भी समय समाप्त करने का निर्णय ले सकता है।
  - **राज्य सभा की प्रक्रियाएँ:**
    - नियम 255: राज्यसभा में, नियम 255 सभापति को अव्यवस्थित आचरण में शामिल किसी भी सदस्य को तुरंत निलंबित करने का अधिकार प्रदान करता है।
    - नियम 256: यह नियम अध्यक्ष को उसके अधिकार की लगातार अवहेलना करने या राज्य सभा के नियमों का दुरुपयोग करने वाले सदस्यों को नामित करने का अधिकार देता है। इसके बाद, सदन सदस्य को शेष सत्र से अधिक की अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पारित कर सकता है।
    - लोकसभा के नियम 374ए के विपरीत, राज्यसभा औपचारिक रूप से निलंबन का प्रस्ताव पारित किए बिना अपने सदस्यों को निलंबित नहीं कर सकती है।
- **न्यायालयों की भूमिका:**
  - भारतीय संविधान का अनुच्छेद 122 संसदीय कार्यवाही की न्यायिक समीक्षा पर रोक लगाता है तथा न्यायिक जांच से संसद की प्रतिरक्षा पर जोर देता है।
  - इस संवैधानिक प्रावधान के बावजूद, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां न्यायालयों ने विधायिकाओं के प्रक्रियात्मक कामकाज में हस्तक्षेप किया है।
  - कभी-कभी, अनुच्छेद 122 द्वारा प्रदान की गई सामान्य छूट के बावजूद न्यायालय , संसद या विधान सभा सदस्यों के निलंबन से संबंधित मामलों की जांच और इसमें हस्तक्षेप कर देती है।
- **निलंबन की शर्तें:**
  - निलंबन अधिकतम वर्तमान सत्रावधि तक रहता है।
  - निलंबन के दौरान, सदस्यों को कक्ष में प्रवेश करने या समिति की बैठकों में भाग लेने से रोक दिया जाता है।
  - निलंबित व्यक्ति चर्चा या प्रस्तुतिकरण के लिए नोटिस जारी करने का विशेषाधिकार खो देते हैं।
  - इसके अलावा, वे अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने का अधिकार भी खो देते हैं।
- **निलंबन रद्द करना:**
  - अध्यक्ष के पास निलंबन आदेश को हटाने या रद्द करने का अधिकार नहीं है।
  - निलंबन रद्द करने का विशेषाधिकार सिर्फ सदन का है।
  - यदि सदन चाहे तो वह किसी सदस्य के निलंबन को रद्द करने के लिए प्रस्ताव पारित कर सकता है।

सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट 2023

संदर्भ: सड़क सुरक्षा पर वैश्विक स्थिति रिपोर्ट के 5वें संस्करण के निष्कर्षों से यह पता चलता है कि यद्यपि वैश्विक स्तर पर सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु के रुझान मे कमी आई है परंतु इस संदर्भ मे भारत में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है।

- **वैश्विक सड़क यातायात से होने वाली मौतों का अवलोकन:**
  - 2021 में अनुमानित रूप से सड़क दुर्घटना मे 1.19 मिलियन मृत्यु हुई है जो 2010 के 1.25 मिलियन मृत्यु से 5% कम है।

- वैश्विक मोटर वाहनों के दोगुने से अधिक होने, महत्वपूर्ण सड़क नेटवर्क विस्तार और वैश्विक आबादी में लगभग एक अरब की वृद्धि के उपरांत भी सड़क सुरक्षा बढ़ाने के प्रयासों से सड़क दुर्घटना मृत्यु मे सामान्य कमी आई है।
- यह रिपोर्ट भारत में सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर में 15% की उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत देती है, क्योंकि मृतकों की संख्या 2010 में 1.34 लाख से बढ़कर 2021 में 1.54 लाख हो गई।
- संयुक्त राष्ट्र के आधे से अधिक सदस्य देश 2010 और 2021 के बीच सड़क यातायात से होने वाली मौतों को कम करने में सफल रहे हैं।

➢ **चुनौतियाँ और लक्ष्य की कमियाँ:**

- सड़क यातायात में होने वाली मृत्यु तथा और चोटें एक प्रमुख वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई हैं।
- यद्यपि सड़क सुरक्षा में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं परंतु संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा कार्रवाई दशक (2021-2030) 2030 तक मृत्यु को आधा करने के लक्ष्य को पूरा करने में विफल होता दिखाई दे रहा हैं।
- सड़क यातायात दुर्घटनाएँ, 5 से 29 वर्ष की आयु के बच्चों और युवाओं की मृत्यु का प्रमुख कारण हैं। यदि सभी आयु वर्ग पर विचार करें तो सड़क दुर्घटना मृत्यु का 12वाँ प्रमुख कारण बनकर सामने आई है।

➢ **मृत्यु की जनसांख्यिकी:**

- सड़क यातायात में होने वाली दो-तिहाई मौतें 18-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों की होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक परिणाम पैदा होते हैं।
- सभी मौतों में आधे से अधिक मौतें पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और मोटरसाइकिल चालकों जैसे सुभेद्य सड़क उपयोगकर्ताओं की होती हैं।
- ई-स्कूटर जैसे माइक्रो-मोबिलिटी साधन सड़क यातायात से होने वाली मौतों में 3% का योगदान देते हैं।

➢ **वैश्विक असमानताएँ:**

- सड़क यातायात में होने वाली 10 में से नौ मौतें निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। प्रति जनसंख्या मृत्यु का जोखिम सबसे अधिक निम्न आय वाले देशों में देखा जाता है।
- WHO के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में होने वाली कुल मृत्यु का 28%, पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में 25%, अफ्रीकी क्षेत्र में 19%, अमेरिका में 12%, पूर्वी भूमध्य क्षेत्र में 11% और यूरोपीय क्षेत्र में 5% होती हैं जो क्षेत्रीय असमानताओं प्रकट करती हैं।
- यूरोपीय क्षेत्र में 2010 के बाद से 36% की कमी के साथ मृत्यु में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई है।

➢ **विधान और शमन उपाय:**

- WHO की सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप कानून बनाने सहित मृत्यु और चोट के जोखिम को कम करने के उपायों के कार्यान्वयन में मामूली प्रगति हुई है।
- केवल छह देशों ने प्रमुख जोखिम कारकों, जैसे तेज गति, शराब पीकर गाड़ी चलाना, मोटरसाइकिल हेलमेट का उपयोग और सीट-बेल्ट प्रणाली पर डब्ल्यूएचओ के सर्वोत्तम मॉडल कानून को लागू किया है।

➢ **शहरीकरण और गतिशीलता प्रणाली:**

- तेजी से बढ़ती शहरी वैश्विक आबादी के साथ गतिशीलता की बढ़ती मांग से परिवहन प्रणालियों, विशेष रूप से निजी वाहनों पर जोर देने वाली प्रणालियों पर दबाव पड़ने की संभावना है।
- कई देश, लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के बजाय मोटर वाहनों के लिए अपनी गतिशीलता प्रणालियों को डिजाइन और निर्माण करना जारी रखते हैं, जिससे कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के प्रयासों में बाधा आती है।

➢ **सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण और सफलता की कहानियाँ:**

- सड़क सुरक्षा के लिए सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण को लागू करने वाले तथा लोगों और सुरक्षा को गतिशीलता प्रणालियों के मूल में रखने वाले देशों में स्थिति बेहतर हुई है।
- यूरोपीय क्षेत्र में इस दृष्टिकोण के अनुरूप नीतियों वाले देशों की संख्या सबसे अधिक है, जिससे सड़क यातायात में होने वाली मौतों में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई है।
- पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण के पहलुओं को अपनाने और मृत्यु दर को कम करने के संदर्भ में यह प्रदर्शित करता है कि मृत्यु में कमी के लक्ष्यों को राजनीतिक इच्छाशक्ति, निवेश और संकट से निपटने हेतु क्षमता विकास के माध्यम से पूरा किया जा सकता है।

जेमिनीड उल्कापात- 2023

संदर्भ: जेमिनीड उल्कापात 14 दिसंबर 2023 को लगभग 19:00 GMT पर अपने चरम स्तर पर पहुंच गया और 24 दिसंबर तक रुक-रुक कर दिखाई देता रहेगा।

➢ प्रतिवर्ष दिसंबर में होने वाली जेमिनीड उल्कापात का नाम "जेमिनी" तारामंडल के नाम पर रखा गया है।

➢ यह अन्य उल्कापात से अलग है क्योंकि यह वर्ष के उन दो उल्कापात में से एक है जो धूमकेतु के मलबे के स्थान पर पृथ्वी के क्षुद्रग्रहों के मलबे से गुजरने के कारण प्रदर्शित होते हैं।

- जेमिनीड उल्काओं का प्राथमिक स्रोत 3200 फेथॉन नामक एक क्षुद्रग्रह है, जिसे 1980 के दशक के मध्य में खोजा गया था। इसे एक अद्वितीय कक्षा के साथ "रॉक धूमकेतु" के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

- **जेमिनीड उल्काओं की विशेषताएँ:**
  - जेमिनीड उल्काएं धीमी गति से चलती हैं और सामान्य तौर पर दिसंबर में दिखाई देती हैं, जो 4-16 दिसंबर के आसपास चरम स्तर पर होती हैं तथा 14 दिसंबर की सुबह सबसे अधिक तीव्र स्थिति में होती है।
  - हाल ही में जेमिनीड उल्कापात ने स्थानीय समयानुसार 02:00 से 03:00 के बीच इष्टतम परिस्थितियों में प्रति घंटे 120-160 उल्काओं का प्रदर्शन किया है।
  - जेमिनीड्स को पहली बार 1862 में देखा गया था, जिससे वे अन्य प्रमुख उल्कापातों की तुलना में अपेक्षाकृत नवीन खोज बन गई।
- **जेमिनीड उल्का की उत्पत्ति और क्षुद्रग्रह के बीच संबंध:**
  - जेमिनीड उल्कापात अद्वितीय है क्योंकि यह किसी धूमकेतु से नहीं बल्कि क्षुद्रग्रह 3200 फेथॉन से उत्पन्न होता है।
  - फेथॉन की 1.4-वर्षीय कक्षा और इसके धूमकेतु-जैसे अण्डाकार प्रक्षेपवक्र इसकी प्रकृति को विशिष्ट बनाते हैं। इसे "मृत धूमकेतु" या एक विशिष्ट खगोलीय इकाई माना जाता है, जिसे "रॉक धूमकेतु" के रूप में जाना जाता है।
  - अपनी धूमकेतु जैसी कक्षा के बावजूद, फेथॉन में धूमकेतु मलबे का अभाव है और यह एक चट्टानी क्षुद्रग्रह जैसा स्पेक्ट्रा प्रदर्शित करता है। फेथॉन से बने उल्कापिंड विशिष्ट धूमकेतु धूल के कणों की तुलना में सघन होते हैं।
- **प्रदीप्तता तथा अवलोकन:**
  - जेमिनीड उल्काएं जेमिनी तारामंडल में दीप्ति से निकलती हुई प्रतीत होती हैं लेकिन रात के आकाश में कहीं भी दिखाई दे सकती हैं।
  - उत्तरी गोलार्ध में सूर्यास्त के समय दीप्तिमान चमक उठती है, जो शाम के समय अवलोकन परिदृश्य प्रदान करती है।
  - जेमिनीड्स पीले रंग के दिखाई दे सकते हैं और उनकी लगभग 22 मील प्रति सेकंड की मध्यम गति उन्हें पहचानना अपेक्षाकृत आसान बनाती है।
  - जेमिनीड उल्कापात को सबसे सुसंगत और सक्रिय वार्षिक उल्कापात में से एक माना जाता है। उत्तरी गोलार्ध में पर्यवेक्षकों को आकाश में दीप्तिमान की उच्च स्थिति के कारण उच्च जेमिनीड उल्कापात का अनुभव होता है।
- **वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि और अध्ययन:**
  - 2023 में पार्कर सोलर प्रोब के डेटा सहित हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि जेमिनीड्स की उत्पत्ति धूमकेतु के टूटने से हुई होगी। इससे फेथॉन के अलावा 2005 यूडी और 1999 वाईसी जैसे क्षुद्रग्रह बने थे।
- **जेमिनी नक्षत्र**
  - जेमिनी नक्षत्र उत्तरी आकाशीय गोलार्ध में स्थित एक राशि चक्र है और दूसरी शताब्दी ईस्वी के खगोलशास्त्री टॉलेमी द्वारा वर्णित 48 नक्षत्रों में से एक है।
  - इसे 88 आधुनिक नक्षत्रों में से एक के रूप में पहचाना जाता है और यह ग्रीक पौराणिक कथाओं में पौराणिक जुड़वां कैस्टर और पोलक्स से जुड़ा हुआ है।
  - **रात्रि में स्थिति:**
    - जेमिनी नक्षत्र पश्चिम में वृषभ और पूर्व में कर्क, उत्तर में ऑरिगा और लिंक्स, दक्षिण में मोनोसेरोस और कैनिस माइनर और दक्षिण पश्चिम में ओरियन के बीच स्थित है।
    - प्राचीन काल में शास्त्रों में, कर्क राशि उत्तरी संक्रांति (21 जून) पर सूर्य के स्थान को चिह्नित करती थी। हालाँकि, पहली शताब्दी ईस्वी के दौरान अक्षीय पूर्वगमन से यह जेमिनी नक्षत्र में स्थानांतरित हो गया था।

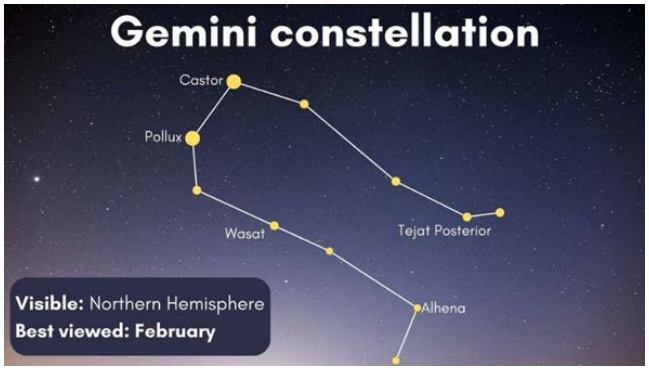

    - उत्तरी संक्रांति के दौरान सूर्य का स्थान 1990 में मिथुन (जेमिनी) राशि से वृषभ राशि में स्थानांतरित हो गया, जहां यह मेष राशि में स्थानांतरित होने से पहले 27वीं शताब्दी ईस्वी तक रहेगा।
    - जेमिनी उत्तरी गोलार्ध के शीतकालीन आकाश में विशेष होता है और दिसंबर-जनवरी में पूरी रात दिखाई देता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2023 प्रदान किए।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार के बारे में:

- राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (एनईसीए) पहली बार 14 दिसंबर, 1991 को प्रदान किए गए थे।
- ये पुरस्कार प्रतिवर्ष 14 दिसंबर को सरकारी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा संस्थानों, भवनों, परिवहन और उद्योग क्षेत्रों के साथ-साथ ऊर्जा-कुशल निर्माताओं को प्रदान किए जाते हैं।
- ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) 14 दिसंबर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस का आयोजन करता है।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो:

- यह एक वैधानिक निकाय है जो सरकार को भारत की अर्थव्यवस्था की ऊर्जा गहनता को कम करने के लिए नीतियां और रणनीतियां विकसित करने में मदद करता है।
- इसकी स्थापना 1 मार्च, 2002 को ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत की गई थी।
- इसका उद्देश्य स्व-नियमन और बाजार सिद्धांतों पर केंद्रित नीतियां और रणनीतियां विकसित करना है।

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान प्रशासन सफारी वाहनों की सख्ती से निगरानी करने के लिए जीपीएस ट्रैकर्स के उपयोग की योजना बना रहा है।

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान उत्तर भारत के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है।
- यह दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्थित है।
- इसे 1955 में सवाई माधोपुर वन्य अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और यह 1980 में राष्ट्रीय उद्यान बना।
- यह अरावली और विंध्य पहाड़ी श्रृंखलाओं के जंक्शन पर स्थित है।
- इस पार्क में बड़ी संख्या में रॉयल बंगाल टाइगर, साथ ही अन्य जंगली जानवर जैसे तेंदुए, नीलगाय, जंगली सूअर, सांबर और लकड़बग्घा पाए जाते हैं।

असममित संघवाद

हाल ही में 16 दिनों की सुनवाई में, सुप्रीम कोर्ट ने असममित संघवाद के मूल सिद्धांतों की जांच करते हुए अनुच्छेद 370 पर विचार किया।

असममित संघवाद (Asymmetric Federalism) के बारे में:

- असममित संघवाद एक प्रणाली है जिसमें एक संघ के भीतर विभिन्न राज्यों को अलग-अलग शक्तियां प्राप्त होती हैं।
- इस प्रणाली में, एक या एक से अधिक राज्यों को दूसरों की तुलना में अधिक स्वायत्तता होती है, भले ही उनका संवैधानिक स्तर समान हो।
- भारत में, असममित संघवाद का एक लंबा इतिहास रहा है।
- यह इस बात से जुड़ा है कि कैसे अंग्रेजों ने देश को एकीकृत किया और बाद में रियासतों को इसमें शामिल किया।
- असममित संघवाद की प्रणाली में, सिद्धांत: सभी राज्यों के साथ समान व्यवहार किया जाता है, जबकि इसमें इस बात का ध्यान रखा जाता है कि कुछ राज्य मजबूत और कुछ राज्य कमजोर हैं।
- असममित संघवाद के विपरीत, सममित संघवाद एक ऐसी प्रणाली है जहां संघ के प्रत्येक राज्य में समान शक्तियां होती हैं।
- सममित संघवाद में, घटक राज्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।
- भारत को एक अर्ध-संघीय प्रणाली माना जाता है, जिसका अर्थ है कि इसमें एक संघीय और एकात्मक प्रणाली दोनों की विशेषताएं हैं।

बैराकुडा

हाल ही में, एक सोलरइलेक्ट्रिक नाव, बाराकुडा को अलाप्पुझा में अरूर के पास स्थित नेवाल्ट सोलर और इलेक्ट्रिक बोटयार्ड में लॉन्च किया गया।

बैराकुडा (Barracuda) के बारे में:

- बैराकुडा भारत की सबसे तेज सौर-विद्युत नौका है, जिसे नेवल्ट सोलर एंड इलेक्ट्रिक बोट्स ने डिजाइन किया है।
- यह 14 मीटर लंबी, 4.4 मीटर चौड़ी एक नौका है जो 12 यात्रियों और कार्गो को ले जाने में सक्षम है।
- यह एक बार चार्ज करने पर 12.5 समुद्री मील (23 किमी/घंटा) की अधिकतम गति से चल सकती है और इसकी रेंज सात घंटे की है।
- इसमें दो 50 किलोवाट इलेक्ट्रिक मोटर, एक मरीन-ग्रेड LFP बैटरी और 6 किलोवाट सौर ऊर्जा है।
- बैराकुडा चार मीटर तक ऊंची लहरों वाले समुद्र में भी चल सकती है।
- इसका संचालन बिना किसी कंपन या वायु प्रदूषण के, ध्वनि रहित होता है।
- इस पर्यावरण-अनुकूल वर्कबोट का उद्देश्य पारंपरिक जीवाश्म-ईंधन वाली नौकाओं के लिए एक किफायती विकल्प प्रदान करना है और स्वच्छ महासागरों में योगदान करना है।
- इसने बर्लिन स्टार्ट-अप एनर्जी ट्रांजिशन अवार्ड्स 2023 में गतिशीलता और परिवहन श्रेणी में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्टार्ट-अप पुरस्कार जीता है।

ई-सिगरेट

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ई-सिगरेट के उपयोग को नियंत्रित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है।

ई-सिगरेट के बारे में:

- इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट या ई-सिगरेट, एक बैटरी से चलने वाला उपकरण है जो वाष्पीकृत घोल का उत्सर्जन करता है।
- इसके तरल में निकोटीन, प्रोपलीन ग्लाइकोल, ग्लिसरीन, फ्लेवरिंग और अन्य रसायन होते हैं।
- ई-सिगरेट कई खतरनाक रसायन उत्पन्न करते हैं जिनमें एसीटाल्डिहाइड, ऐक्रोलिन और फॉर्मलडिहाइड शामिल हैं।
- सिगरेट अधिनियम, 1975, विज्ञापनों, कार्टन और सिगरेट पैकेजों पर वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनियों के प्रदर्शन का आदेश देता है।
- इस अधिनियम को 2003 में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA) द्वारा निरस्त कर दिया गया था।

सुर्ख़ियों में स्थल

फिनलैंड

हाल ही में, फिनलैंड ने 18 दिसंबर को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने की योजना की घोषणा की।

फिनलैंड (राजधानी: हेलसिंकी)

अवस्थिति : फिनलैंड उत्तरी यूरोप में स्थित एक नॉर्डिक देश है।

भौगोलिक सीमाएं: फिनलैंड की सीमा उत्तर में नॉर्वे, पूर्व में रूस, दक्षिण में फिनलैंड की खाड़ी, दक्षिण-पश्चिम में बोल्टनिया की खाड़ी, उत्तर-पश्चिम में स्वीडन और दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम में बाल्टिक सागर से लगतीं है।

भौतिक विशेषताएं:

- उत्तरी फिनलैंड के लैपलैंड में फेल्स (गोल, बंजर पहाड़) हैं, जैसे कि प्रसिद्ध लेवी और यलास (Levi and Yllas)।
- केमिजोकी (Kemijoki) फिनलैंड की सबसे लंबी नदी है, जिसका उद्गम सोकोस्ति शिखर के पास होता है।
- साइमा झील (Lake Saimaa) फिनलैंड की सबसे बड़ी झील है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में ब्रिटिश सेना के खिलाफ किसे साहसी कार्यवाही के लिए उनकी मृत्यु तिथि पर याद किया गया है? **- पा तोगन नेंगमिंजा संगमा (एक गारो आदिवासी नेता)**
- खान यूनिस शहर में बरक़ुक़ कैसल का निर्माण किस युग से संबंधित है? **- मामलुक युग**
- नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (NARCL) किस अधिनियम के तहत भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकृत है? **- सरफ़ेसी अधिनियम, 2002**
- भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत चुनाव आयोग कार्य करता है? **- अनुच्छेद 324**
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की स्थापना कब हुई थी? **- 1948**